PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 121
दि. 30.08.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

मथुरा के बांके बिहारी मंदिर में बनेगा होल्डिंग एरिया, सीएम योगी बोले- तीर्थ स्थलों पर क्राउड मैनेजमेंट के लिए बनाएं बेहतर प्लान

सीएम योगी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. सीएम योगी ने अधिकारियों को कई निर्देश दिए.

(जीएनएस)।

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार देर शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लंबित मामलों को लेकर सख्त निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि आम नागरिक की जमीन और संपत्ति से जुड़े मामलों में तारीख पर तारीख की प्रवृत्ति हर हाल में बदलनी होगी. आगामी त्योहारों को लेकर मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्देश दिए. कहा कि क्राउड मैनेजमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग की जाए. इसके साथ ही बांके बिहारी मंदिर मथुरा में अलग से होल्डिंग एरिया बनाया जाए जहां भीड़ को पहले रोका जाए.

नायब तहसीलदार से लेकर राजस्व परिषद तक के न्यायालयों में 5 वर्ष से अधिक समय से लंबित सभी राजस्व मामलों को चिन्हित कर प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए. धारा 33 के अविवादित वरासत के मामलों को मिशन मोड में निपटाने को कहा गया. बैठक में सबसे अधिक पुराने लंबित मामलों वाले शीर्ष 5 जिलों और प्रदेश के 10 सबसे पुराने प्रकरणों की सूची मुख्यमंत्री के सामने रखी गई. जिलाधिकारियों को कोर्टवार समीक्षा खुद करने के निर्देश दिए गए.

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन और आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों के गलत निस्तारण पर भी नाराजगी जताई. समीक्षा में सामने आया कि कई मामलों में मूल शिकायत के बजाय दूसरी जानकारी के आधार पर या बिना जरूरी रिपोर्ट लिए ही निस्तारण दिखा दिया गया. इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई नहीं होना चाहिए. जिन मामलों में असंतुष्ट फीडबैक मिला है या गलत आख्या पर केस बंद किया गया है, उन पर संबंधित जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान से 5 दिन के भीतर स्पष्टीकरण लिया जाए. ऐसे सभी मामलों का दोबारा परीक्षण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने वाला समाधान दिया जाए.

कानून-व्यवस्था की समीक्षा में एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि 13 जुलाई से 23 अगस्त के बीच अपराध में कमी आई है. 13 से 19 जुलाई की तुलना में 17 से 23 अगस्त के बीच कुल एफआईआर में 0.4 प्रतिशत, गंभीर अपराधों में 5.1 प्रतिशत, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों

में 3.9 प्रतिशत और एससी-एसटी के विरुद्ध अपराधों में 11.2 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है.

मुख्यमंत्री ने जोन और रेंज स्तर पर हर सप्ताह क्राइम एनालिसिस करने, महिला और बच्चों से जुड़े अपराधों में त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई तथा महिला बीट पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए. छेड़खानी और चेन स्नेचिंग पर कठोर कार्रवाई को कहा. आगामी त्योहारों को लेकर मुख्यमंत्री ने जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन के लिए व्यापक क्राउड कंट्रोल प्लान बनाने के निर्देश दिए.

बांके बिहारी मंदिर के लिए अलग कार्ययोजना और होल्डिंग एरिया बनाने को कहा. वृंदावन में नया पुलिस सर्किल बनाने और मथुरा व वृंदावन में अलग-अलग ज्वाइंट मजिस्ट्रेट तैनात करने के निर्देश दिए. गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन तारों और उफनती नदियों को देखते हुए प्रतिमाओं की ऊंचाई सीमा में रखने और विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने को कहा.

मुख्यमंत्री ने माफियाओं के खिलाफ अभियान जारी रखने, गो-तस्करी, धर्मांतरण, लव जिहाद और धार्मिक स्थलों से जुड़ी घटनाओं पर 24 घंटे अलर्ट रहने तथा स्लाटर हाउस की औचक जांच करने के निर्देश दिए. चित्रकूट, फरुर्खाबाद, अयोध्या, आजमगढ़ और बाराबंकी में बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए राहत शिविरों में गर्म भोजन, अस्पतालों में एंटी-वेनम और एंटी-रेबीज की उपलब्धता तथा बाढ़ के बाद बीमारियों की रोकथाम के लिए हेल्थ कैंप लगाने को कहा.

'सच्चाई बताने पर पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी अखिलेश ने', देवरिया में सीएम योगी का तीखा हमला

(जीएनएस)।

देवरियाः उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज होती जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवरिया में समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। सलेमपुर और भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए 305 करोड़ रुपये की 80 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने अखिलेश यादव के व्यवहार, सपा की कार्यशैली और पिछली सरकार के कामकाज को लेकर कई आरोप लगाए। सीएम योगी ने कहा कि सुना है कि सच्चाई बताने पर अखिलेश यादव ने एक पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के 'बबुआ' 12 बजे सोकर उठते हैं, इसलिए उनका दिमाग भारी रहता है और वह झुंझलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पत्रकारों के सवाल पूछने पर अखिलेश यादव गाली-गलौच और हाथापाई पर उतारू हो जाते हैं।

सीएम योगी ने कहा, ह्लमैंने सुना कि अखिलेश यादव ने एक बार पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी।ह्न उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। जब कोई सरकार या प्रशासन गलत करता है तो मीडिया उस ओर ध्यान आकर्षित करता है, लेकिन जब मीडिया ने सपा मुखिया की सच्चाई सामने रखी तो उन्होंने पत्रकार के साथ इस तरह का

व्यवहार किया।

सपा को बताया 'प्राइवेट लिमिटेड कंपनी'

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी की कार्यप्रणाली पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा एक तरह से 'प्राइवेट लिमिटेड कंपनी' बन चुकी है, जिसमें एक ही परिवार के लोग शामिल हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सपा मुखिया खुद कहते हैं कि एक ही परिवार के पांच सांसद हैं, इसलिए पार्टी बची हुई है। उन्होंने कहा कि सपा को यह खैर मनानी चाहिए कि पार्टी अभी बची है, वरना उसका भी वही हाल होगा जो जनता दल का हुआ था।

JPNIC पर भी साधा निशाना

सीएम योगी ने लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर यानी जेपीएनआईसी को लेकर भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि परियोजना की शुरूआती लागत करीब 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन सपा सरकार के दौरान इस पर 864 करोड़ रुपये खर्च किए गए और इसके बावजूद यह अधूरा रहा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यह पैसा जनता का था और इसे विकास कार्यों के बजाय दूसरे कामों में खर्च किया गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सत्ता में आने के बाद मामले की जांच कराई और सरकारी धन को वापस सरकारी खजाने में लाने की प्रक्रिया शुरू की।

अखिलेश, डिंपल और धर्मेंद्र यादव पर भी लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार में सरकारी खजाने से जुड़ी योजनाओं को निजी कंपनी के जरिए चलाने की तैयारी की जा रही थी। उन्होंने अखिलेश यादव, डिंपल यादव और धर्मेंद्र यादव का नाम लेते हुए कहा कि इन लोगों ने निजी कंपनी बनाकर सरकारी खजाने पर डकैती डालने की कोशिश की।

सीएम ने कहा कि जिस धन से युवाओं के लिए रोजगार, फ्लाईओवर, इनोवेशन सेंटर और विश्वविद्यालय बनाए जा सकते थे, उसका इस्तेमाल निजी हितों के लिए किया जा रहा था। उन्होंने सपा मुखिया से जनता से माफी मांगने की भी मांग की।

'लूटखसोट का पर्याय है सपा'

मुख्यमंत्री ने सपा पर कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने समाजवादी पार्टी को 'लूटखसोट का पर्याय' और 'डकैतों का गिरोह' तक बताया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में बेटियों की सुरक्षा को लेकर परिवार चिंतित रहते थे, जबकि भाजपा सरकार आने के बाद कानून-व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है।

दो दिवसीय दौरे पर उज्बेकिस्तान पहुंचे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

(जीएनएस)।

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने दो देशों के दौरे के पहले चरण में उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी का उज्बेकिस्तान का यह चौथा दौरा है। द्विपक्षीय वार्ता और रणनीतिक साझेदारी, अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे।

दोनों नेता भारत-उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ व्यापार और निवेश, रक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा, शिक्षा और जन-जन के बीच आपसी संबंधों की समीक्षा करेंगे।

दौरे पर रवाना होने से पहले बोले

पीएम मोदी, दौरे पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, हाल के वर्षों में दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों में काफी प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने तथा विकसित भारत और यांगी उज्बेकिस्तान (नया उज्बेकिस्तान) के साझा विजन को आगे ले जाने पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं। सांस्कृतिक स्थलों का दौरा, SCO सम्मेलन, ताशकंद प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी शास्त्री मेमोरियल पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके अलावा, वह ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज स्थित महात्मा गांधी सेंटर भी जाएंगे।

ताशकंद के बाद प्रधानमंत्री मोदी किर्गिज गणराज्य के राष्ट्रपति सादिर झापारोव के निमंत्रण पर बिश्केक के लिए रवाना होंगे। वहां वह 26वें शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन रउड संगठन के 25 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

'यह एक अपराध है, पीएम मोदी दर्ज कराएं एफआईआर'; हल्द्वानी में खरगे के शुद्धिकरण को लेकर राहुल गांधी का हमला

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे के सभा स्थल पर शुद्धीकरण के मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने इसे एक 'अपराध' करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में तत्काल एफआईआर (FIR) दर्ज कराने की मांग की है।

राहुल गांधी ने कहा, "देश के हर दलित व्यक्ति का जन्म से मृत्यु तक, हर जगह, हर कदम अपमान किया जाता है। उनकी जितनी बुलंद आवाज होती है, उनपर उतना तेज हमला होता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ हल्द्वानी में जो भी हुआ वो शुद्धिकरण का नाम दे कर उनके खिलाफ छुआछूत है और छुआछूत भारत के संविधान के अनुसार दंडनीय अपराध है।

इस बात को 20 दिन हो गए- मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, कोई FIR दर्ज नहीं हुई। पीएम नरेंद्र मोदी देश के हर दलित व्यक्ति को आपकी यह दलित विरोधी विचारधारा साफ दिखाई दे रही है।

अब गेंद BJP के पाले में है जल्द से जल्द SC-रळ कानून के तहत FIR दर्ज हो, कार्रवाई हो और न्याय हो - वरना कांग्रेस पार्टी न्याय हासिल करना अच्छे से जानती है।"

यह एक अपराध है...

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को खरगे की रैली वाली जगह पर हुए 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक अपराध है। राहुल गांधी ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पूरे मामले में तुरंत प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने के आदेश देने चाहिए।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह घटना भाजपा और आरएसएस की दलित विरोधी मानसिकता को साफ दर्शाती है। वे नहीं चाहते कि दलित समुदाय के लोग आगे बढ़ें, समाज में सम्मान के साथ जिएं और सफलता हासिल करें।

सरकार की जिम्मेदारी है कि न्याय मिले

राहुल गांधी ने उत्तराखंड सरकार और केंद्र सरकार दोनों से कांग्रेस अध्यक्ष के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि खरगे को न्याय मिले।"

पाकिस्तान का पानी रुका तो पूरे क्षेत्र की शांति को खतरा', शहबाज के डिप्टी की भारत को गीदड़भभकी

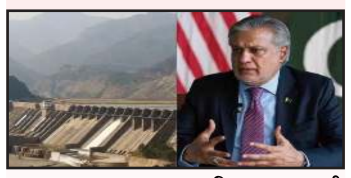

इस्लामाबादः पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने कहा है कि सिंधु जल संधि के तहत उसे मिलने वाला पानी भारत नहीं रोक सकता है। अगर उसे पानी से वंचित करने की कोशिश हुई तो इसके क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम होंगे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने 'सिंधु जल संधिः दक्षिण एशियाई सुरक्षा दोराहे पर' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शनिवार को ये बातें कही हैं। उन्होंने एक बार फिर भारत पर पानी को हथियार बनाने का आरोप लगाया है।

'लेंडे नदी की झील कभी भी टूट सकती है',चीन की चेतावनी से नेपाल टेंशन में, कितना बड़ा खतरा?

(जीएनएस)।

नेपाल अभी हालिया बाढ़ की तबाही से उबर भी नहीं पाया है कि एक और खतरे ने चिंता बढ़ा दी है। लेंडे नदी तंत्र के ऊपरी हिस्से में बनी एक अस्थायी झील को लेकर चीन ने नेपाल को अलर्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने बताया है कि झील के पानी का रंग लगातार गहरा हो रहा है। इसे संभावित खतरे का संकेत माना जा रहा है।

चिंता इसलिए ज्यादा है क्योंकि अगर इस झील को रोकने वाला प्राकृतिक बांध टूटता है, तो नीचे की तरफ पानी का बहाव अचानक तेज हो सकता है। चीन के आकलन में नदी का अधिकतम डिस्चार्ज 500 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुंचने की आशंका जताई गई है। नेपाल बाढ़ में अब तक 626 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं तिब्बत में भी 7 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एक हजार से ज्यादा लोग लापता हैं, जिसमें 300 से ज्यादा

भारतीय हैं।

यह कहानी हालिया फ्लैश फ्लड से शुरू होती है। नेपाल और तिब्बत के पहाड़ी इलाके में ग्लेशियर टूटने के बाद बड़ी मात्रा में बर्फ, पत्थर और मलबा नीचे आया। इस मलबे ने नदी का रासता रोक दिया। नदी का रास्ता रुकने से पानी पीछे जमा होने लगा। धीरे-धीरे यहां एक प्राकृतिक बांध और उसके पीछे अस्थायी झील बन गई। यही झील अब नेपाल और चीन के लिए चिंता की वजह बनी हुई है।

यह झील चीन की तरफ बहने वाली चोचेन नदी और नेपाल की तरफ आने वाली पुरेपु नदी के संगम के पास बनी है। यानी इसका असर सिर्फ सीमा के एक तरफ तक सीमित न हीं रह सकता।चीन के जल संसाधन मंत्रालय की जानकारी के मुताबिक, झील में पानी लगातार बढ़ रहा था।

28 अगस्त तक इसमें करीब 25 लाख घन मीटर पानी जमा हो का था। खतरे को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

'मुसलमानों के बिना हिंदू राष्ट्र अधूरा', न्यूयॉर्क में मोहन भागवत के बयान से मची हलचल

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मानवता, सत्य और धर्म को लेकर बड़ा संदेश दिया और कहा कि सभी रास्ते आखिर में उसी एक ईश्वर की ओर जाते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है

मोहन भागवत ने कहा कि मैं ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो परंपरागत रूप से यह कहता है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है और मानवता उसी सत्य की उपज है। इसलिए मानवता एक है।

सत्य एक है, लेकिन उसे अलग-अलग तरीकों से बताया और समझाया जाता है, क्योंकि हम मनुष्य अपने अनुभवों और अपनी सीमाओं के कैदी हैं। उन्होंने एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए कहा कि हम इंसान कम से कम सात रंग देखते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं खुद एक

वेटरनरी डॉक्टर हूं, मुझे कुत्तों के बारे में पता है। कुत्ते सिर्फ काले और सफेद रंग देखते हैं। अब आप कुत्ते को दुनिया के बारे में कितना भी समझाएं, वह उसे हमारी तरह कभी नहीं समझ पाएगा।

भागवत ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि कुत्ते का अनुभव असत्य है। उसने जो देखा है, वह उसके लिए वास्तविक है। उसी तरह सात रंगों को देखना हमारे लिए सत्य है, लेकिन हम सभी एक ही सत्य का अनुभव कर रहे हैं।

सभी धर्म अंतिम सत्य की ओर ले जाते हैं

भागवत ने कहा कि दुनिया में बहुत सारे धर्म हैं। आज धर्मों की पहचान काफी हद तक उनके रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन में शामिल होने और उस रास्ते पर चलते हुए दिव्यता तक पहुंचने के लिए इन रीति-रिवाजों का पालन करना जरूरी है।

लेकिन हर धर्म हमें कहां ले जा रहा है? वह हमें उसी अंतिम सत्य की ओर ले जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर मैं उंगली से इशारा करके कहूं कि वहां रोशनी है, तो आप पहले मेरी उंगली देखेंगे और फिर उस रोशनी को। लेकिन अगर आप मेरी उंगली को ही देखते रहेंगे और उसी पर अटके रहेंगे, तो आप उस रोशनी को कभी नहीं देख पाएंगे। तब उद्देश्य ही खत्म हो जाता है।

सोनिया गांधी की 'नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम' के मामले में सुनवाई स्थगित

नई दिल्लीः दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले में 11 सितंबर, 2025 के मजिस्ट्रेट के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर अपना आदेश शनिवार को टाल दिया। मजिस्ट्रेट अदालत ने सोनिया गांधी का नाम 1983 में

भारतीय नागरिकता हासिल करने से 3 साल पहले मतदाता सूची में शामिल किए जाने के आरोप की जांच से इनकार कर दिया था। शिकायत को बताया राजनीति से प्रेरित, विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आदेश सुनाने की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी। इससे पहले सोनिया गांधी के वकील ने जवाब दाखिल करते हुए कहा था कि शिकायत राजनीतिक रूप से प्रेरित है।

राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण और त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश: मुख्यमंत्री योगी

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को राजस्व न्यायालयों में पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कहा कि आम नागरिकों की जमीन, संपत्ति और अधिकारों से जुड़े मामलों में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने 'तारीख पर तारीख' की प्रवृत्ति को खत्म करने पर जोर दिया।

योगी ने नायब तहसीलदार न्यायालय से लेकर राजस्व परिषद तक लंबित मामलों को चिन्हित कर नियोजित तरीके से निस्तारित करने और धारा 33 के तहत अविवादित वरासत मामलों को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

योगी ने जिलाधिकारियों को राजस्व न्यायालयों की नियमित समीक्षा और लंबित मामलों की निगरानी करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा और गणेश चतुर्थी को देखते हुए पुलिस-प्रशासन को सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ तैयारियां करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए भीड़ नियंत्रण की विशेष योजना बनाने तथा श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई जारी रखने और महिला एवं बच्चों से जुड़े अपराधों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

योगी ने चित्रकूट, फरुर्खाबाद, अयोध्या, आजमगढ़ और बाराबंकी में बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए राहत शिविरों में भोजन, दवाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने बाढ़ के बाद संभावित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को शिविर लगाने के निर्देश भी दिए।

नेपालगंज रोड ब्रॉडगेज रेल लाइन का 31 अगस्त को होगा उद्घाटन, सीएम योगी और रेल मंत्री करेंगे शुभारंभ

बहराइच की नेपालगंज रोड ब्रॉडगेज रेल लाइन का 31 अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।

(जीएनएस)।

बहराइच। नेपालगंजरोड (रुपईडीहा) बहराइच ब्रॉडगेज रेल लाइन का 31 अग्रस्त को शुभारंभ होगा। रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। वहीं, दिल्ली से केंद्रीय रेल मंत्री कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग करेंगे। इस सूचना से जिले के लोगों में हर्ष है।

पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरिजीत सिंह ने बताया कि सुगम रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे निरंतर कार्यों के तहत बहराइच से नवनिर्मित, विद्युतीकृत बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड ब्रॉडगेज रेल लाइन का 31 अगस्त को डेढ़ बजे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा वीडियो

काफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया जाएगा।

कई ट्रेनों का होगा संचालन

नेपालगंजरोड रेलवे स्टेशन पर सोमवार को आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। मालूम हो कि दो वर्ष पूर्व 241 करोड़ रुपये की लागत से नेपालगंजरोड-बहराइच रेलवे स्टेशन का निर्माण ब्रॉडगेज में परिवर्तित हुआ था, लेकिन पांच बार से उदघाटन की तिथि आने के बाद भी शुभारंभ नहीं हो सका।

अब रेलवे के मंडल वाणिज्य प्रबंधक की ओर से पत्र जारी कर जिलेवासियों को सौगात दिया गया है। रेल प्रखंड का शुभारंभ होने से गाड़ी संख्या 14213/14 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस ट्रेन, गाड़ी संख्या 15131/32 वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन और गोंडा-बहराइच के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 75109/10 एवं 75111/75112 डेमू ट्रेनों का संचालन नेपालगंज रोड से किया जाएगा।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। औपचारिक रूप से सोमवार को प्रखंड पर स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसके दूसरे दिन से इंटरसिटी व डेमू ट्रेनों का संचालन नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। यह जिले के लोगों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

सुमित कुमार, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी लखनऊ

लखनऊ में भाजपा मंडल मंत्री के घर चोरी, लाखों के जेवरात और नकदी ले उड़े चोर, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

लखनऊ के मोहनलालगंज में भाजपा मंडल मंत्री विमलेश शर्मा के घर बीती रात चोरों ने धावा बोला। अज्ञात चोरों ने मेन गेट और कमरों के ताले तोड़कर लाखों के जेवरात चुराए।

(जीएनएस)।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में रात के अंधेरे में लगातार हो रहीं चोरी की वारदातों ने एक बार फिर पुलिसिया कार्यशैली व देर रात होने वाली गश्त पर सवाल खड़े होना शुरू हो गए हैं। शहर में तेजी से बढ़ रहीं इन घटनाओं के बीच लखनऊ के मोहनलालगंज इलाके में बेखौफ चोरों ने रक्षाबंधन पर्व के दौरान बीती रात भाजपा की मंडल मंत्री विमलेश शर्मा के बंद मकान को निशाना बना लिया।

बताया जाता है कि क्षेत्र के ज्योति नगर रोड स्थित भाजपा की मंडल मंत्री के मकान का मेन गेट और कमरों का ताला तोड़कर घुसे चोर अलमारी व बक्सों में रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर मौके से फरार हो गए। घटना

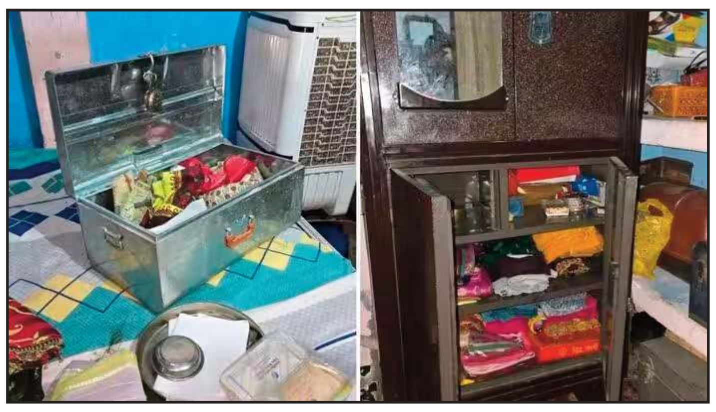

के समय मंडल मंत्री अपनी मां और पूरे परिवार के साथ मौसी के घर रक्षाबंधन मनाने गई हुई थीं।

सुबह पड़ोसी ने दी ताले टूटने की सूचना

पीड़िता विमलेश शर्मा की ओर से मोहनलालगंज थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक, वह 28 अगस्त को अपनी मां, बेटे और बहू के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाने के लिए मौसी के घर गई थीं। इस दौरान उनका मकान पूरी तरह बंद था। उन्होंने बताया कि देर रात अज्ञात चोर मेन गेट और अंदर के कमरों का ताला काटकर घर के भीतर दाखिल हुए।

सुबह जब पड़ोसियों ने घर के मुख्य गेट का ताला टूटा देखा तो उन्होंने तत्काल फोन पर इस बात की जानकारी मंडल मंत्री को दी। आनन-फानन में जब परिजन घर पहुंचे तो अंदर अलमारी और बक्से टूटे पड़े थे और सारा सामान अस्त-व्यस्त बिखरा हुआ था।

पीड़िता के अनुसार, चोर उनकी मां की पेंशन के रखे 50 हजार नकद समेत बेटे और बहू के कीमती जेवरात समेट ले गए। उनका कहना है कि चोरी हुए सामान में सोने का हार, झुमके, चेन, तीन सोने की अंगूठियां, मांगटीका, मंगलसूत्र और सोने का लॉकेट सहित कई अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं। चोरी गई कुल संपत्ति की कीमत लाखों में बताई जा रही है।

CCTV खंगाल रही पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक रामबाबू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस टीमों ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट्स और अन्य भौतिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के मकानों और दुकानों में लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही वारदात का पदार्फाश कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

यूपी: प्रदेश में बढ़ी स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या, लखनऊ में तीन नए मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

राजधानी में स्वाइन फ्लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। तीन नए मरीजों में इसकी पुष्टि हुई है। इनमें से दो मरीज बलरामपुर अस्पताल के स्वाइन फ्लू वार्ड में और एक लोहिया संस्थान में भर्ती है।

(जीएनएस)।

लखनऊ, राजधानी में स्वाइन फ्लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। तीन नए मरीजों में इसकी पुष्टि हुई है। इनमें से दो मरीज बलरामपुर अस्पताल के स्वाइन फ्लू वार्ड में और एक लोहिया संस्थान में भर्ती है। इंदिरानगर, आदिलनगर का एक-एक मरीज स्वाइन फ्लू की चपेट में आया है। सर्दी-जुकाम, बुखार, गले में खराश के बाद इन्होंने निरालानगर स्थित निजी पैथोलॉजी सेंटर में जांच कराई थी। रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। सांस लेने में तकलीफ होने पर दो मरीजों को परिजनों ने बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। सीएमएस

डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि मरीजों में स्वाइन फ्लू के हल्के लक्षण है। उधर, लोहिया संस्थान में भर्ती तीसरे मरीज की हालत में सुधार है।

सीएमओ ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

सीएमओ ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 0522-2622080 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने अपील की है कि बुखार, जुकाम, खांसी या इस तरह के दूसरे लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर डॉक्टर से सलाह लें। जरूरत पड़ने पर जांच कराएं। लोगों से खुद दवा लेने या किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति से इलाज कराने से बचने की अपील की।

एसजीपीजीआई में कोरोना, स्वाइन फ्लू के आठ-आठ मरीज मिले

एसजीपीजीआई में बीते 15 दिनों में स्वाइन फ्लू और कोरोना के 16 रोगी मिले हैं। इनमें स्वाइन फ्लू और कोरोना के आठ-आठ रोगी हैं। संस्थान ने इनकी रिपोर्ट सीएमओ कार्यालय को भेजी है। संस्थान प्रशासन का कहना है कि सभी मरीजों में संक्रमण के हल्के लक्षण हैं।

एसजीपीजीआई के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रूंगमेई एसके मारक का कहना है कि इस मौसम में इन्फ्लुएंजा का खतरा है। भर्ती 16 मरीजों में आधे से ज्यादा में ऑपरेशन से पहले हुई जांच में कोरोना और स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। अन्य की लक्षण के आधार ओपीडी में हुई जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

वाटर-स्मार्ट खेती के साथ प्रति बूंद अधिक फसल, जल दक्षता के माध्यम से भारतीय कृषि में बदलाव

(जीएनएस)।

प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) जल उपयोग दक्षता में सुधार और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए बूंद-बूंद सिंचाई को बढ़ावा देती है। इस योजना ने जुलाई 2026 तक, 115 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को बूंद-बूंद सिंचाई के तहत लाया है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और डिजिटल कार्यान्वयन के माध्यम से वित्तीय सहायता ने पारदर्शिता और सस्ती बूंद-बूंद सिंचाई सुविधाओं को किसानों के लिए सुलभ बनाने में सुधार किया है। स्वतंत्र अध्ययनों से उच्च पैदावार, महत्वपूर्ण पानी की बचत, कम खेती लागत और किसानों की आय में वृद्धि दर्ज की गई है। पीडीएमसी पानी की हर बूंद का कुशलतापूर्वक उपयोग करके संसाधन-कुशल, टिकाऊ कृषि को मजबूत कर रहा है।

प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) के साथ सिंचाई दक्षता में सुधार

देश के उपलब्ध जल संसाधनों का 80 प्रतिशत से अधिक कृषि सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है। हालांकि, शुद्ध बोए गए क्षेत्र लगभग 50 प्रतिशत हिस्ॅ सा सिंचाई की सुविधा का लाभ ले रहा है। इसलिए जल उपयोग दक्षता में सुधार करना एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। कृषि में जल उपयोग दक्षता में सुधार के लिए बूंद-बूंद सिंचाई एक महत्वपूर्ण समाधान है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिक किॅ फायत के साथ सीधे फसलों तक पानी पहुंचाता है। सरकार खेत स्तर पर कुशल जल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना लागू कर रही है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। यह ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर सिंचाई बूंद-बूंद सिंचाई प्रणालियों का समर्थन करता है।

इस योजना के तहत सरकार किसानों को बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रति लाभार्थी अधिकतम पांच हेक्टेयर भूमि तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। छोटे और सीमांत किसानों को लागत का 55 प्रतिशत, जबकि अन्य किसानों को 45 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाती

है। पिछले तीन वर्षों में केंद्र सरकार की ओर से 8,123.24 करोड़ रुपये की सहायता जारी की गई है।

कुछ राज्य सरकारें भी अपने बजट से किसानों को अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करती हैं। किसानों को एक ही भूमि पर बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली के लिए सात वर्ष बाद दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त करने का प्रावधान है।

यह पहल जनवरी 2006 में बूंद-बूंद सिंचाई के लिए केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) के रूप में शुरू की गई थी। इसके बाद वर्ष 2010-11 में इसे राष्ट्रीय बूंद-बूंद सिंचाई मिशन (एनएमएमआई) के रूप में विस्तारित किया गया। वित्त वर्ष 2014-15 में इसे राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) के तहत ह्यकृषि जल प्रबंधनह्ण (ओएफडब्ल्यूएम) घटक में शामिल किया गया। वित्त वर्ष 2015-16 से 2021-22 तक इस योजना को आधिकारिक रूप से ह्यप्रति बूंद अधिक फसलह्ण (पीडीएमसी) नाम दिया गया और इसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के एक प्रमुख घटक के रूप में लागू किया गया। वर्ष 2022-23 से प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीए-आरकेवीवाई) के तहत लागू किया जा रहा है।

प्रधान मंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई)

2007-08 में शुरू की गई, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देती है। टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर 2024 में इस योजना को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के रूप में पुनर्गठित किया गया था। यह नौ योजनाओं को मिलाने वाली एक व्यापक योजना के रूप में कार्य करती है।

इसमें प्रति ड्रॉप मोर क्रॉप (पीडीएमसी), कृषि मशीनीकरण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल विविधीकरण और कृषि-स्टार्टअप के लिए एक त्वरक निधि जैसे घटक शामिल हैं। पुनर्गठित योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह राज्य सरकारों को उनकी विशिष्ट, स्थानीय कृषि आवश्यकताओं के आधार पर एक घटक से दूसरे घटक को धन आवंटित करने की सुविधा प्रदान करती है। इसका उद्देश्य जलवायु लचीलापन, फसल उत्पादकता में सुधार और मूल्य श्रृंखला विकास को आगे बढ़ाने जैसे उभरते मुद्दों से निपटना है। 2025-26 के दौरान, पीएम-आरकेवीवाई के लिए कुल 8,957.72 करोड़ रुपये जारी/स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें विशेष रूप से पीडीएमसी योजना के लिए समर्पित 3,226.36 करोड़ रुपये शामिल हैं।

पीडीएमसी के रणनीतिक फोकस क्षेत्र

प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना फसलों की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए पानी के बेहतर और वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देती है। योजना के तहत फर्टिगेशन को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसका उद्देॅ य पौधों तक पोषक तत्व अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। पानी की कमी और भूजल स्तर में गिरावट वाले क्षेत्रों को योजना में प्राथमिकता दी जाती है। फर्टिगेशन में सिंचाई के पानी के साथ उर्वरकों को सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचाया जाता है। इससे पानी और उर्वरकों का बेहतर उपयोग होता है तथा फसल की वृद्धि में मदद मिलती है। इसके अलावा, पीडीएमसी योजना ट्यूबवेल, नदी से पानी उठाने वाली सिंचाई और सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई प्रणालियों के साथ बूंद-बूंद सिंचाई को जोड़ने को बढ़ावा देती है।

'खून बहता रहा, पर लुटेरे को नहीं छोड़ा', सिपाही ने राखी बांधने जा रही महिला की बचाई चेन, मिला इनाम

लखनऊ में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक सिपाही ने अपनी जान जोखिम में डालकर महिला का मंगलसूत्र छीनने वाले बदमाश को पकड़ा। घायल होने के बावजूद सिपाही ने बदमाश को नहीं छोड़ा।

(जीएनएस)।

लखनऊ: रक्षाबंधन के पावन पर्व पर राजधानी लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में खाकी वर्दी का एक ऐसा मानवीय और साहसिक चेहरा सामने आया, जिसने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और पुलिस महकमे के लिए एक नई मिसाल कायम की। दरअसल, अपने बच्चों के साथ मायके राखी बांधने जा रही एक महिला को थप्पड़ मारकर मंगलसूत्र छीनकर भाग रहे बदमाश को ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही नवीन चौधरी ने अद्भुत साहस दिखाते हुए दबोच लिया।

बताया जाता है कि इस दौरान खुद को छुड़ाने के लिए लुटेरे ने सिपाही के चेहरे पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर लहूलुहान कर दिया, लेकिन खून बहने के बाद भी जांबाज सिपाही ने उसकी गिरेबान नहीं छोड़ी। सिपाही के इस समर्पण और भाई जैसी सुरक्षा से भावुक होकर पीड़िता ने थाने में अपने 'रक्षक भाई' की कलाई पर राखी बांधी।

चंद्राढाल पर बस का इंतजार कर रही थी महिला

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को रक्षाबंधन के मौके पर

चिनहट की रहने वाली रूबी कश्यप बेटे आदित्य और अखिलेश के साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए मायके जाने के लिए मड़ियांव के चंद्राढाल पर बस का इंतजार कर रही थी। इसी बीच पीले रंग की टी-शर्ट पहने एक अज्ञात बदमाश अचानक आया और महिला को थप्पड़ मारकर उसके गले से सोने का मंगलसूत्र झपटकर भागने लगा।

ईंट के वार से लहूलुहान हुआ सिपाही

महिला के चीखने पर पास ही ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात आरक्षी नवीन चौधरी ने बिना एक पल गंवाए दौड़कर बदमाश का पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे पकड़ लिया। खुद को घिरता देख बदमाश ने पास में पड़ी ईंट उठाकर नवीन के चेहरे और नाक पर दे मारी, जिससे सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। खून बहने के बावजूद सिपाही ने आरोपी को मजबूती से जकड़े रखा।

मौके पर पहुंचे ट्रैफिक रक उपेन्द्र कुमार सिंह, सिपाही सहजाद अली, शहबान खान और मड़ियांव थाने के उपनिरीक्षक अमित कुमार साहू की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायल सिपाही को तत्काल हिम सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी नाक पर दो टांके लगाए।

लखीमपुर खीरी का रहने वाला मंगलसूत्र स्नेचर

मड़ियांव थाने के प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी की पहचान 23 वर्षीय धर्मेन्द्र कुमार मौर्या के रूप में हुई है, जो कि लखीमपुर खीरी का रहने वाला है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पीड़िता के मंगलसूत्र की टूटी हुई माला बरामद कर ली गई। मड़ियांव पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ इठर की धारा 309(6), 115(2), 317(2) और 317(4) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

'आपने बड़े भाई का फर्ज निभाया'

अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जब सिपाही नवीन चौधरी थाने पहुंचे तो भावुक रूबी कश्यप ने उन्हें और साथी पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। रूबी ने कहा कि राखी के दिन आपने जान जोखिम में डालकर एक बहन की रक्षा की और बड़े भाई का फर्ज निभाया।

वहीं, डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी ने बताया कि आरक्षी नवीन चौधरी की जांबाजी पर पूरे विभाग को गर्व है। पुलिस कमिश्नर ने सिपाही के अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए उन्हें 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देने की घोषणा की है।

लखनऊ: पति के जन्मदिन पर सरप्राइज केक लेकर घर पहुंची पत्नी, अंदर का मंजर देख उड़ गए होश; सदमे से हुई बेहोश

(जीएनएस)। लखनऊ , राजधानी लखनऊ में दुबग्गा के फरीदीपुर इलाके में बृहस्पतिवार को पति अभिषेक त्रिवेदी (25) के जन्मदिन पर अंजली केक लेकर घर पहुंची। वहां पर उनका शव फंदे से लटका मिला। पति का शव देखकर अंजली बेहोश हो गईं। अभिषेक ने आत्महत्या क्यों की, इसका स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है।

मूलरूप से बाराबंकी के कुतलूपुर निवासी अभिषेक ने तीन साल पहले गोमतीनगर के बड़ी जुगौली निवासी अंजली से प्रेम विवाह किया था। उनके साढू दीपक के मुताबिक, अभिषेक के परिजन इस शादी से खुश नहीं थे। इसके बाद वह अंजलि के साथ दुबग्गा के फरीदीपुर में किराये के मकान में रह रहे थे।

रक्षाबंधन के चलते अंजली बुधवार को मायके गई थीं। बृहस्पतिवार को पति के जन्मदिन पर उन्हें सरप्राइज देने के लिए केक लेकर घर पहुंचीं। दरवाजा खटखटाने पर जवाब नहीं मिला तो उन्होंने आसपास के लोगों को बुलाया। दरवाजा खुलवाकर अंदर पहुंचीं तो कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे अभिषेक का शव लटका मिला।

इंस्पेक्टर दुबग्गा श्रीकांत राय ने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजनों ने भी कोई आरोप नहीं लगाया है। दीपक ने बताया कि अभिषेक ने कुछ लोन लिया था। समय पर वेतन नहीं मिलने से वह ईएमआई नहीं चुका पा रहे थे। आशंका है कि इसी तनाव में उन्होंने यह कदम उठाया।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

कालातीत और सार्वभौमिक संदेश लेकर है सरसंघचालक भागवत की अमेरिकी यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत इन दिनों अमेरिका में दौरा कर रहे हैं। 29 अगस्त को श्री भागवत ने न्यूयार्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में एक विशाल जनसभा को संबोधित करना है। मोहन भागवत का जहां जमकर स्वागत हो रहा है वहीं वुछ विरोध के स्वर भी दिखाई दे रहे हैं। न्यूयार्क की सड़कों पर उनकी यात्रा के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग सड़कों पर पोस्टर, बैनर इत्यादि लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सबसे प्रमुख विरोध करने वालों में न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस कार्यंव्रम का समर्थन नहीं करते, हालांकि ममदानी ने यह भी कहा कि किसी निजी कार्यंव्रम को रद्द करने का अधिकार नगर प्रशासन के पास है या नहीं, यह उन्हें नहीं पता।

भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यंव्रम के तहत अमेरिका पहुंचे हैं। मेडिसन स्क्वायर गार्डन में उनका एक बड़ा कार्यंव्रम होना है। न्यूयार्क प्रवास के दौरान मोहन भागवत यूनिवर्सल वननेस कार्यंव्रम में हिस्सा लेंगे और शनिवार को प्रतिष्ठित मेडिसन स्क्वायर गार्डन में करीब 5000 लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। जोहरान ममदानी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं हमारे शहर के इतिहास में पहला भारतीय- अमेरिकी मेयर भी हूं और मेरी मां का पूरा परिवार अब भी भारत में रहता है। उन्होंने कहा कि भारत के बारे में जो सोच उन्हें अपने परिवार से मिली और जिसे संभालते हुए वह बड़े हुए, वह एक बहुलतावादी समाज और ऐसे धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की है, जहां भारत के हर व्यक्ति को बराबरी से अपनाया जाता है। ममदानी ने कहा और किसी भी देश को लेकर ऐसी सोच वाले आंदोलन का उभार देखना बेहद परेशान करने वाला है, जो वुछ लोगों को अलग रखता है। मैं इसका पुरजोर विरोध करता हूं, न केवल एक भारतीय-अमेरिकी के रूप में बल्कि ऐसे शहर के मेयर के तौर पर भी, जो हर व्यक्ति को अपनाने में गहरा विश्वास रखता है। फिर चाहे उसका रंग, नस्ल, धर्म, आस्था या मूल स्थान वुछ भी हो। अमेरिका में भागवत के कार्यंव्रमः यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन की मेजबानी कर रहा अहेड फोरम ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा एक कालातीत और सार्वभौमिक संदेश लेकर आती है। दुनिया एक परिवार है। संघ के संयुक्त महासचिव श्री मुवुंद जी ने कहा कि भागवत की विदेश यात्रा का उद्देश्य-भारत हिंदू समाज और संघ पर सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। वहीं भाजपा ने कहा कि ममदानी का रुख उनके बहुलवाद के विपरीत है। अमेरिकी गायिका मैरी मिलीबेन ने कहा, मेरी सलाह ममदानी व उनके समाजवाद के समूह को है, पूंजीवाद बन पैसे जुटाएं मेडिसन ग्राउंड किराए पर लें और अपनी एंटी-मोदी मूर्खता के लिए अपनी खुद की रैली आयोजित करें। मिलीबेन ने आगे कहाममदानी और ये समाजवादी पागल मोहन भागवत के मेडिसन स्क्वायर गार्डन कार्यंव्रम का विरोध कर रहे हैं जो कि वे पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी का विरोध करते हैं। देखें सरसंघचालक की अमेरिकी यात्रा जैसेजैसे आगे बढ़ती है उन्हें कैसा रिस्पांस मिलता है।

खरगे का पीएम मोदी और अमित शाह को पत्र, नेपाल त्रासदी के बीच कर दी ये खास अपील, कही बड़ी बातें

नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। ऐसे में भारत सरकार लगातार सहायता मुहैया करा रही है। इस बीच राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी और अमित शाह को लेटर लिखा है। उन्होंने नेपाल की तत्काल मदद और वहां फंसे भारतीयों को तुरंत निकालने की अपील की है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ पर गहरी चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने आग्रह किया कि पड़ोसी देश को तत्काल मानवीय और राहत सहायता उपलब्ध कराई जाए। वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं। उन्होंने 28 अगस्त को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को पत्र लिखा।

खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा कि नेपाल में बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है और हजारों लोग भोजन, दवाइयों, आश्रय और अन्य आवश्यक सहायता की तत्काल जरूरत का सामना कर रहे हैं।

नेपाल में बाढ़ पर खरगे का पत्र

खरगे ने सरकार से नेपाल के प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त मानवीय और राहत सहायता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। उन्होंने नेपाल सरकार के साथ समन्वय कर राहत-बचाव कार्यों को आगे बढ़ाने की अपील भी की। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि मैं नेपाल के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ के कारण फंसे भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को लेकर भी चिंतित हूं। संबंधित अधिकारियों को बचाव और निकासी के प्रयास तेज करने और उनकी सुरक्षित और जल्द भारत

वापसी के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के लिए जरूरी निर्देश जारी किए जाने का अनुरोध है।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी का आग्रह

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, करीब 320 भारतीय नागरिकों से अभी संपर्क नहीं हो पाया है। गृह मंत्री शाह को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि यह बड़े दुख के साथ लिख रहा हूं कि नेपाल हाल में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण उत्पन्न गंभीर प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा है।

जान-माल की क्षति, घरों और बुनियादी ढांचे का व्यापक विनाश और अनगिनत लोगों के विस्थापन ने प्रभावित समुदायों को अत्यंत संकट की स्थिति में पहुंचा दिया है।

पीएम मोदी-शाह को लेटर में ये बोले कांग्रेस अध्यक्ष

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत और नेपाल के लोगों के बीच गहरा और स्थायी संबंध है। इस गहरे दुख की घड़ी में भारत को अपने पड़ोसियों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए और इस विनाशकारी आपदा से प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता देनी चाहिए।

उन्होंने नेपाल को तत्काल और व्यापक मानवीय, आपदा राहत सहायता देने पर विचार करने का आग्रह किया। खरगे ने कहा कि जहां भी आवश्यक हो और नेपाल सरकार के साथ समन्वय में, एनडीआरएफ की टीमों की तैनाती पर विचार किया जा सकता है। जिससे प्रभावित क्षेत्रों में बचाव, निकासी और राहत अभियानों में सहायता की जा सके।

नेपाल की तत्काल मदद करने की अपील

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में एनडीआरएफ की विशेषज्ञता और अनुभव लोगों की जान बचाने, संकट का सामना कर रहे लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण सहयोग दे सकते हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि गृह मंत्रालय इस मामले की गंभीरता और तात्कालिकता को देखते हुए आवश्यक कदम उठाएगा तथा नेपाल के बाढ़ प्रभावित लोगों तक भारत की सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करेगा।

सिंधु जल संधि का वो '80-20' रूल, यही दरियादिली कैसे बनी भारत का हथियार? चीख पड़ा पाकिस्तान

(जीएनएस)।

1960 की सिंधु जल संधि का '80-20' रूल पाकिस्तान की खेती और अर्थव्यवस्था की लाइफलाइन था. आज यही दरियदली भारत की सबसे घातक कूटनीतिक हथियार बन चुका है. पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त संदेश दिया है कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते'. संधि को सस्पेंड करने का कड़ा रुख अपनाते हुए भारत अपनी भौगोलिक स्थिति का पूरा फायदा उठा रहा है. अब भारत पश्चिमी नदियों के 80% पानी को कंट्रोल करने, नए प्रोजेक्ट्स बनाने और पूर्वी नदियों का पानी रोकने की रणनीति पर काम कर रहा है. तीन युद्धों में भी पानी न रोकने वाले भारत के इस सख्त तेवर से 'आतंकवाद की फैक्ट्री' में बिजली, पानी और अनाज का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है.

सिंधु जल समझौते में भारत की दरियादिली का पाकिस्तान ने खूब फायदा उठाया है. जब ये दया मिलनी बंद हो गई तो पाकिस्तान के हुक्मरान दुनिया में ऐसे दहाड़े मारकर रो रहे हैं, जैसे भारत की नदियां उन्होंने खुद अपने नाम करवा रखी हों. पहलगाम में जब पाकिस्तान के भेजे आतंकवादियों ने निहत्थे टूरिस्टों की बेरहमी से जान ली तो भारत ने ऐलान कर दिया कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते', भारत ने 'सिंधु जल संधि' को सस्पेंड करते ही पाकिस्तान की सांसें अटक गई हैं. इस बेचैनी की वजह वो संधि का 80-20 रूल है, भारत की ये दरियादिली पाकिस्तान के खिलाफ अब सबसे घातक हथियार बन चुका है.

पाकिस्तान ने खूब उठाया भारत की दरियादिली का फायदा

सालों तक जिस '80-20 रूल' के दम पर पाकिस्तान मुगालते में रहा और अपनी अर्थव्यवस्था चलाता रहा, आज वही रूल भारत का सबसे बड़ा कूटनीतिक और रणनीतिक शील्ड बन गया है. पहलगाम में जब पाकिस्तानी आतंकियों ने बेकसूर टूरिस्टों का खून बहाया, तो भारत ने संदेश दे दिया कि बिना गोलियां चलाए भी दुश्मन को घुटनों पर लाया जा सकता है. सिंधु जल संधि को सस्पेंड करते ही इस्लामाबाद के हुक्मरानों की नींद उड़ गई है. वो समझ चुके हैं कि भारत ने अगर इस 80 फीसदी पानी की टोटियां थोड़ी भी कस दीं, तो पाकिस्तान में न तो अनाज उगेगा और न ही बिजली बनेगी.

कैसे पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी बना '80-20' का गणित?

इस पूरे गेम प्लान को समझने के लिए पानी के बहाव और भूगोल को देखना होगा. 1960 में हुई सिंधु जल संधि के तहत 6 नदियों का बंटवारा हुआ था.

यहां पेंच ये है कि ये तीनों पश्चिमी नदियां भारत के जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से होकर ही पाकिस्तान में दाखिल होती हैं. यानी नदियां अपस्ट्रीम में भारत के पास हैं और पाकिस्तान डाउनस्ट्रीम में बैठा है.

जब तक भारत मेहरबान था, तब तक ये 80 फीसदी पानी पाकिस्तान के लिए 'मुफ्त की खैरात' बना रहा. लेकिन जैसे ही भारत ने कड़ा रुख अपनाया, पाकिस्तान को एहसास हुआ कि उसने अपनी 80% लाइफलाइन की चाबी उस भारत के हाथ में दे रखी है, जिसे वो लगातार जख्म देता आ रहा था.

4 तरफ से पाकिस्तान को कैसे घेर सकता है भारत?

भारत के पास इस 80-20 रूल को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के कई मजबूत कूटनीतिक और तकनीकी रास्ते हैं.

वॉटर होल्डिंग कैपेसिटी और डायवर्जन : पश्चिमी नदियों में बहने वाला 80 फीसदी पानी बहुत विशाल है. भारत अगर पश्चिमी नदियों पर अपनी रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं का तेजी से विस्तार करे और गाद निकालने के नाम पर या जलाशयों के जरिए पानी के बहाव को कुछ दिनों के लिए भी रोक दे या धीमा कर दे तो पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांतों में सूखे जैसी स्थिति बन जाएगी.

'20% पूर्वी नदियों' का एक-एक कतरा रोकनाः अब तक तकनीक और बांधों की कमी के कारण सतलुज, रावी और ब्यास का कुछ पानी बिना इस्तेमाल हुए पाकिस्तान की तरफ चला जाता था. भारत अब शाहपुर कंडी बांध और उज्ज प्रोजेक्ट जैसे बांधों के जरिए अपने हिस्से के 20% पानी की एक-एक बूंद रोक रहा है. इस पानी को नहरों के जरिए पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसानों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे पाकिस्तान को मिलने वाला अतिरिक्त पानी पूरी तरह बंद हो गया है.

बिजली और कृषि पर सीधा स्ट्राइकः पाकिस्तान का 80% कृषि क्षेत्र और उसके सबसे बड़े तरबेला व मंगला डैम इसी 80% पानी पर टिके हैं. अगर भारत संधि की समीक्षा करते हुए अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके चिनाब और झेलम पर रन-ऑफ-द-रिवर प्रोजेक्ट्स बढ़ा देता है तो पाकिस्तान में फसलें सूखने लगेंगी और उसकी बिजली व्यवस्था ठप हो जाएगी. पाकिस्तान के पास इसका कोई विकल्प नहीं है.

लीगल और जियोपॉलिटिकल प्रेशरः अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी पाकिस्तान रोना रोता है, भारत इसी 80-20 के आंकड़े को सामने रखता है. भारत दुनिया को दिखाता है कि ऊपरी राज्य होने के बावजूद भारत ने 64 सालों तक 80% पानी पड़ोसी को दिया. लेकिन जब पड़ोसी देश पानी के बदले आतंकवाद निर्यात करे तो कोई भी देश अपनी सुरक्षा के लिए उस संधि की शर्तों को बदलने का पूरा हक रखता है.

तीन-तीन युद्ध लड़े, फिर भी भारत ने कभी पानी नहीं रोका

पूरी दुनिया के इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता जहाँ दो देश आपस में खूनी जंग लड़ रहे हों, लेकिन एक देश दूसरे देश का पानी न रोके.

1965 का युद्धः पाकिस्तान ने भारत पर अचानक हमला कर दिया, लेकिन भारत ने पानी की सप्लाई रोककर पाकिस्तान की आम जनता को प्यासा नहीं मारा.

1971 की जंगः जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश बना दिया, तब भी सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान की तरफ बहता रहा.

1999 का कारगिल युद्धः जब पाकिस्तानी सेना की शह पर आतंकी कारगिल की बर्फीली चोटियों पर कब्जा जमाए बैठे थे, तब भी भारत ने इस संधि की शर्तों का ईमानदारी से पालन किया.

पानी की हर बूंद का हिसाब, नए भारत का नया रूल

'80-20 का रूल' जो कल तक भारत की दरियादिली का प्रतीक था, आज भारत का सबसे बड़ी शील्ड बन चुका है. भारत ने अपनी भौगोलिक स्थिति का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को ये समझा दिया है कि भारत का पानी पीना और भारत के ही बेकसूर लोगों का खून बहाना अब एक साथ नहीं चलेगा.

डीएनए से खोजेंगे चैंपियन! 10 हजार खिलाड़ियों की होगी जेनेटिक टेस्टिंग, भारत का बड़ा दांव

हर साल 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है. ध्यानचंद ने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक्स में भारतीय हॉकी को दुनिया के शिखर तक पहुंचाया.

उनका मानना था कि चैंपियन खिलाड़ी की पहचान उसकी मेहनत और लगन से होती है, लेकिन अब भारत में चैंपियन खिलाड़ी तैयार करने के लिए मेहनत के साथ-साथ DNA का सहारा लेने की तैयारी है. गुजरात सरकार ने स्पोर्ट्स जीनोमिक्स प्रोग्राम शुरू किया है, जिसे आसान भाषा में DNA Tzlent Hunt कहा जा सकता है.

DNA से खिलाड़ी का पूरा प्लान होगा तैयार

स्पोर्ट्स जीनोमिक्स प्रोग्राम के तहत, गुजरात सरकार हर साल 2,000 खिलाड़ियों की जेनेटिक टेस्टिंग करेगी और पांच साल में करीब 10 हजार खिलाड़ियों का DNA डेटाबेस तैयार करने का लक्ष्य है. इसके लिए 26 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है. DNA से मिली जानकारी के आधार पर खिलाड़ी के लिए सही खेल, ट्रेनिंग, डाइट और फि टनेस प्लान तैयार करने की कोशिश होगी. उदाहरण से समझें ACTN3 जीन को स्प्रिंटिंग और पावर वाले खेलों से जोड़ा जाता है, जबकि अउए जीन को सहनशक्ति से जुड़ी क्षमता में भूमिका निभाने वाला माना जाता है. DNA से चोट की संभावित जोखिमों की जानकारी लेकर One PlÔyer-One Diet और One PlÔyer-One TrÔining जैसी णनीति बनाने की भी कोशिश होगी.

चीन-उज्बेकिस्तान में पहले हो चुका है प्रयोग

यह तरीका भारत के लिए नया है, लेकिन चीन और उज्बेकिस्तान पहले आनुवंशिक परीक्षण को खेल प्रशिक्षण से जोड़ चुके हैं. चीन ने बीजिंग 2022 शीतकालीन ओलंपिक से पहले एथलीट चयन में जीनोम सीक्वेंसिंग का इस्तेमाल शुरू किया था. एक प्रोजेक्ट में गति, सहनशक्ति और शारीरिक ताकत जैसी क्षमताओं से जुड़े करीब 300 बेहतरीन एथलीट के DNA का अध्ययन किया गया. 2014 चीन में शीतकालीन ओलंपिक ने कुल 9 मेडल जीते थे, जबकि 2022 में यह संख्या बढ़कर 15 हो गई. एक 2021 स्टडी में 228 खिलाड़ियों के उ्ठअ से बनाए गए मॉडल ने किशोर खिलाड़ियों की भविष्य की क्षमता का अनुमान करीब 74% और मौजूदा खिलाड़ियों की क्षमता का आकलन करीब 85% सटीकता से किया. उज्बेकिस्तान भी 2014 से स्कूली बच्चों के DNA सैंपल के जरिए Sports TÔlent को पहचानने पर काम कर रहा है.

भारत में कितना बड़ा हो सकता है फायदा?

भारत में करीब 26 करोड़ बच्चे स्कूली शिक्षा से जुड़े हैं और करीब 64% बच्चे किसी न किसी शारीरिक गतिविधि या खेल में हिस्सा लेते हैं. लेकिन सिर्फ करीब 1% बच्चे ही उच्च स्तर पर किसी भी खेल तक पहुंच पाते हैं. ऐसे में अगर जेनेटिक टेस्टिंग का सिस्टम लेवल बड़े पैमाने पर लागू होता है तो सही टैलेंट को शुरूआती लेवल पर एडमिशन में मदद मिल सकती है. Google और डेलॉइट की स्टडी के मुताबिक भारत का स्पोर्ट्स मार्केट करीब 5 लाख करोड़ रुपये का है, जो 2030 तक करीब 10 करोड़ लाख रुपये तक पहुंच सकता है. खेल क्षेत्र से लगभग 47 लाख लोगों को रोजगार मिला है, जिससे 2030 तक 1 करोड़ तक की पहुंच का अनुमान है.

DNA से चैंपियन की बात, लेकिन मैदान भी चाहिए

खिलाड़ियों की क्षमता को वैज्ञानिक तरीके से समझने की कोशिश के बीच मुंबई में नेविल डिसूजा फुटबॉल ग्राउंड को लेकर विवाद सामने आया है. इटउ के एक प्रस्ताव के तहत इस खेल मैदान का उपयोग प्रदर्शनी केंद्र के लिए किया जाना है. खिलाड़ी 'सेव प्लेग्राउंड्स' अभियान चला रहे हैं और केस कोर्ट तक पहुंच चुके हैं, अगला सुनवाई 18 सितंबर को है. प्लेयर्स का कहना है कि उन्होंने सबसे पहले कूपरेज ग्राउंड का रुख किया था, लेकिन वहां प्राइवेट फर्म ने लगभग 3,000 रुपये प्रति घंटे की फि क्सेस लेने के बाद नेविल ग्राउंड को अपना हिस्सा बना लिया. इसी मैदान से राहुल भेके, रोलिन बोर्गेस और अमय रानावाडे जैसे खिलाड़ी निकलते हैं।

केंद्र सरकार ने पिछले एक साल में खेल और खिलाड़ियों के लिए करीब 2,500 करोड़ रुपये दिए हैं, 5 हजार से ज्यादा बड़े अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी खेल संस्थानों की है और 10 से ज्यादा बड़े खेल कार्यक्रम चल रहे हैं. ऐसे में सवाल है- अगर डीएनए से चैंपियन खोज भी ली गई, तो उसे खेलने और तैयार होने के लिए मैदान कहां मिलेगा?

नीरज चोपड़ा अचानक क्यों हुए एशियाई खेलों से बाहर? बताया बड़ा कारण

(जीएनएस)।

एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय खेल जगत को बड़ा झटका लगा है। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में नहीं खेलेंगे। वह इवेंट से पूरी तरह से बाहर हो गए हैं। इससे भारतीय फैंस को भी खासी निराशा का सामना करना पड़ा है।

टखने में लिगामेंट टियर के कारण वह एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। चोट को देखते हुए नीरज ने अपना 2026 का बाकी सीजन भी खत्म करने का फैसला किया है। हाल ही में नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में हिस्सा लिया था।

नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लुसाने डायमंड लीग के बाद एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान उनके टखने में परेशानी हुई। इसके बाद उन्होंने मेडिकल टीम और डॉक्टरों से सलाह ली। काफी विचार-विमर्श के बाद उन्होंने फिलहाल प्रतियोगिताओं से दूर रहने का फैसला किया, ताकि

चोट को ज्यादा गंभीर होने से रोका जा सके और वह पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें।

इस चोट का असर उनके आने वाले कई बड़े टूर्नामेंट पर पड़ेगा। नीरज अब एशियाई खेलों के साथ 5 सितंबर को ब्रुसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में भी नहीं उतरेंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी उनकी भागीदारी नहीं होगी।

नीरज के लिए यह चोट इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि वह हाल के महीनों में अच्छी लय में दिखाई दे रहे थे। पुरानी पीठ की समस्या से उबरने के बाद उन्होंने इस सीजन में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने 85.83 मीटर का थ्रो कर रजत पदक जीता था। इसके बाद लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर का थ्रो उनका इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

एशियाई खेलों में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदों में नीरज चोपड़ा का नाम सबसे ऊपर था। उनके बाहर होने से भारतीय दल को निश्चित तौर पर बड़ा नुकसान हुआ है। इस समय नीरज के लिए जल्दबाजी करने के बजाय चोट से पूरी तरह उबरना ज्यादा जरूरी है।

अब उनका लक्ष्य मैदान पर जल्द लौटने के बजाय पूरी तरह फिट होकर वापसी करना होगा। भारतीय प्रशंसकों को भी उम्मीद होगी कि नीरज इस ब्रेक का इस्तेमाल खुद को पूरी तरह तैयार करने में करेंगे और अगली बार जब वह मैदान पर उतरें तो पहले की तरह अपने बेस्ट प्रदर्शन के साथ नजर आएंगे।

फिर विवादों में फंसे समय रैना, इस बार उड़ाया बिहार का मजाक! क्या बंद होगा शो?

(जीएनएस)।

कॉमेडी शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के हालिया एपिसोड में समय रैना और कॉमेडियन शेरोन वर्मा के बीच हुई मजाकिया नोकझोंक अब राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। दोनों कॉमेडियनों ने एक-दूसरे की क्षेत्रीय पहचान को लेकर तंज कसे, जिसके बाद बिहार और कश्मीर से जुड़ी टिप्पणियों पर सवाल उठने लगे।

शिवसेना (वइळ) नेता आनंद दुबे ने समय रैना की आलोचना करते हुए उनके बयान को विवादित बताया। वहीं शिवसेना नेता संजय निरुपम ने इसे कॉमेडी के तौर पर देखने की बात कही, हालांकि कुछ टिप्पणियों पर आपत्ति भी जताई। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी और जम्मू-कश्मीर पीस फोरम ने भी इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्रीय पहचान और ऐतिहासिक त्रासदियों को मजाक का विषय बनाने पर सवाल खड़े किए हैं।

शिवसेना (UBT) ने समय रैना पर साधा निशाना

शिवसेना (UBT) नेता आनंद दुबे ने कहा कि समय रैना पहले भी कई विवादों में रहे हैं और उनके कॉमेडी रूटीन में अक्सर अश्लीलता देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि कॉमेडी के नाम पर बिहार, जम्मू-कश्मीर, जाति या धर्म को निशाना बनाना उचित नहीं है। दुबे ने कहा कि मनोरंजन के लिए किसी राज्य या समुदाय को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए।

संजय निरुपम बोले- हास्य को हास्य की तरह लें

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कहा कि समय रैना का शो एक कॉमेडी शो है और हास्य को उसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने माना कि बिहार और कश्मीर से जुड़ी कुछ टिप्पणियां उचित नहीं थीं।

उन्होंने खासतौर पर कश्मीरी पंडितों के साथ हुए अत्याचार और विस्थापन से जुड़े संदर्भ को लेकर आपत्ति जताई। निरुपम ने कहा कि उन्हें लगा कि एक गंभीर त्रासदी का मजाक बनाया जा रहा है। हालांकि, अंत में उन्होंने दोनों कॉमेडियनों को माफ करते हुए इसे 'ूमर के तौर पर लेने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि हास्य के नाम पर अश्लीलता फैलाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

बिहार के शिक्षा मंत्री की प्रतिक्रिया

बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि देश के किसी भी नागरिक के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उनके मुताबिक, इस तरह की बातें समाज और देश को बांटने का काम करती हैं।उन्होंने कहा कि भारत की सोच एकता और समानता की है और जाति या धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर पीस फोरम ने उठाया संवेदनशीलता का मुद्दा

जम्मू-कश्मीर पीस फोरम ने कहा कि कॉमेडी की आजादी जरूरी है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। संगठन ने कहा कि बिहार को अपमानजनक शब्द और कश्मीर या कश्मीरी पंडितों के दर्द को महज मनोरंजन का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। फोरम ने कहा कि कश्मीरी पंडित लंबे समय से विस्थापन और अपने पुश्तैनी घरों से दूर रहने के दर्द के साथ जी रहे हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि वह सेंसरशिप नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की मांग कर रहा है।

क्या है पूरा मामला?

'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 के एक एपिसोड में समय रैना और शेरोन वर्मा ने एक-दूसरे की क्षेत्रीय पहचान को लेकर मजाक किया। समय ने शेरोन की बिहारी पहचान और मुंबई आने को लेकर तंज कसा, जिसके जवाब में शेरोन ने समय की कश्मीरी पृष्ठभूमि पर टिप्पणी की।

शेरोन के जवाब, 'कम से कम मैंने अपनी मर्जी से अपना राज्य छोड़ा', को सोशल मीडिया पर समय रैना की कश्मीरी पृष्ठभूमि और विस्थापन के संदर्भ से जोड़कर देखा गया। अब यह मजाक राजनीतिक बहस में बदल गया है और कॉमेडी की आजादी के साथ उसकी सीमाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण, राहत सामग्री वितरित

(जीएनएस)।

हरदोई , 29 अगस्त 2026। जनपद हरदोई में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शनिवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना बिलग्राम क्षेत्रांतर्गत ग्राम बांण एवं जरैला पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। प्रभावित लोगों को आवश्यक राहत सामग्री का वितरण भी किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है।

न्याय के लिये महिला को एसीपी आफिस व थाने का चक्कर लगाने के बाद भी नहीं मिला न्याय, अब भारतीय किसान यूनियन (राजू गुप्ता संगठन) का समर्थन मिला, किया धरने-प्रदर्शन का एलान

मलिहाबाद थाने पर विशाल धरने का ऐलान - 1 सितंबर

राजधानी लखनऊ में महिला को नहीं मिला न्याय, 17 अगस्त से थाने और ACP ऑफिस के चक्कर काट रही पीड़िता

(जीएनएस)।

लखनऊ / मलिहाबाद राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र से पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है।मामला ग्राम सरावां,मलिहाबाद का है। पीड़िता का आरोप है कि न्याय के लिए वह 17 अगस्त से लगातार मलिहाबाद थाने और एसीपी कार्यालय के चक्कर लगा रही है, लेकिन अभी तक नही हुई कोई कार्यवाही लगातार अनसुनी से आक्रोशित होकर

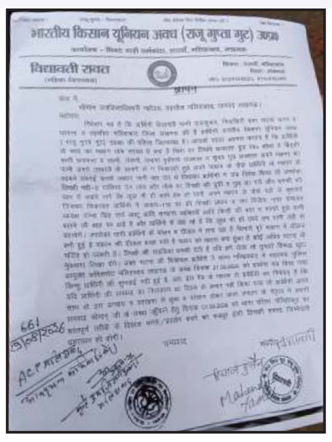
भारतीय किसान यूनियन अवध (राजू गुप्ता गुट)
विद्यावती रावत
ज्ञापन

अब पीड़िता को भारतीय किसान यूनियन (राजू गुप्ता संगठन) का समर्थन मिला है। संगठन की महिला जिला अध्यक्ष ने ऐलान किया है कि अगर पीड़ित महिला को जल्द न्याय नहीं मिला तो 1 सितंबर को मलिहाबाद थाने पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। विद्यावती ने कहा, "राजधानी में ही जब महिला को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा तो यूपी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का क्या मतलब। 1 सितंबर को हमारी पूरी महिला विंग मलिहाबाद थाने पर पहुंचेगी और जब तक न्याय नहीं मिलेगा धरना जारी रहेगा। इस धरने में जिले भर से किसान यूनियन के कार्यकर्ता और सैकड़ों महिलाएं शामिल होने होंगी

पसीने की स्याही से जो लिखते हैं अपने इरादों को, उनके मुकद्दर के पन्ने कभी कोरे नहीं होते

किसान लवलेश वर्मा की बेटी नेहा वर्मा ने हिंदी विषय में यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा की उत्तीर्ण

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। पसीने की स्याही से जो लिखते हैं अपने इरादों को, उनके मुकद्दर के पन्ने कभी कोरे नहीं होते उक्त बातो को सच साबित कर दिखाया एक गाँव के किसान की बेटी ने जिसने यूजीसी नेट की परीक्षा पास जिले मे परचम लहराया है किसान की बेटी की सफलता पर लोगो ने हर्ष व्यक्त किया है।

विकासखंड मसौली के मुंजापुर गांव के किसान लवलेश वर्मा की बेटी नेहा वर्मा ने हिंदी विषय में यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नेहा वर्मा एक साधारण ग्रामीण परिवार से आती हैं। उनके पिता लवलेश कुमार वर्मा किसान हैं और माता अनीता वर्मा गृहणी हैं। ग्रामीण परिवेश में पली-बढ़ी नेहा ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी। नेहा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सार्वजनिक शिक्षण संस्थान मसौली से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय (कैंपस) से उच्च शिक्षा पूरी की। उन्हें हिंदी साहित्य में विशेष रुचि थी, जिसने उन्हें इस

मुकाम तक पहुंचने में मदद की।

हिंदी साहित्य के प्रति अपने गहरे लगाव के कारण नेहा ने इस विषय को गंभीरता से पढ़ा और यूजीसी नेट-जेआरएफ की तैयारी में जुट गईं। कड़ी मेहनत और निरंतर अध्ययन के परिणामस्वरूप उन्होंने हिंदी विषय में जेआरएफ क्वालीफाई किया। जेआरएफ देश की उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित उपलब्धि मानी जाती है। इसके साथ ही उनका सपना असिस्टेंट प्रोफेसर बनकर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने और देश की सेवा करने का है। नेहा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया। मेधावी नेहा वर्मा का कहना है कि परिवार और शिक्षकों से मिले प्रोत्साहन ने उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

(ग्रामीण बेटियों के लिए बनीं प्रेरणा नेहा वर्मा)

सीमित संसाधनों और तमाम बाधाओं को पार कर अपनी मेहनत के बल पर मुंजापुर की नेहा वर्मा ग्रामीण बेटियों के लिए आज एक प्रेरणा बनकर उभरी हैं। नेहा वर्मा की उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो गांव की गलियों से निकलकर भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। नेहा की सफलता पर मुंजापुर गांव सहित आसपास के क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताते उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्रामीणों का कहना है कि नेहा ने अपनी उपलब्धि से न केवल माता-

खेलो इंडिया योजना 2026-31 पर साई एनएसआरसी लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), नेताजी सुभाष क्षेत्रीय केन्द्र (NSRC), लखनऊ द्वारा शांति नगर, कानपुर रोड, लखनऊ स्थित परिसर में खेलो इंडिया योजना 2026झ31 पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को श्री आत्मप्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी), साई एनएसआरसी लखनऊ ने संबोधित किया। उन्होंने वर्ष 2026झ31 के लिए खेलो इंडिया योजना की परिकल्पना, उद्देश्यों और प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, खेल प्रतिभाओं की पहचान एवं उन्हें निखारने, खेल अवसरों में सुधार तथा युवा खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में श्री ललित उपाध्याय, पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपियन, अर्जुन पुरस्कार विजेता, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए तथा युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, बेहतर खेल अवसंरचना और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारों ने अधिकारियों के साथ खेलो इंडिया योजना 2026-31 के विभिन्न पहलुओं, इसके क्रियान्वयन, खिलाड़ियों के विकास तथा उत्तर प्रदेश एवं देशभर में योजना के प्रभाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के अंतर्गत महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके भारतीय खेलों में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया। इसके बाद साई एनएसआरसी के खिलाड़ियों द्वारा हॉकी प्रदर्शनी मैच खेला गया, जिसमें युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों एवं साई अधिकारियों के बीच एक मैत्रीपूर्ण हॉकी मैच का भी आयोजन किया गया। इस मैच ने औपचारिक कार्यक्रमों से इतर पत्रकारों एवं अधिकारियों के बीच संवाद, सहभागिता और सौहार्द को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी पत्रकारों, अधिकारियों एवं अतिथियों के लिए हाई-टी, दोपहर के भोजन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं इसके सुचारू संचालन के लिए आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की। श्री आत्मप्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी); लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव सिंह, निदेशक; श्री मनीष कुमार, सहायक निदेशक, ने प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं राष्ट्रीय खेल दिवस से संबंधित गतिविधियों के सफल आयोजन में टीम के समर्पित प्रयासों की प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम ने खेलो इंडिया के माध्यम से खेलों को बढ़ावा देने, जमीनी स्तर पर खेल विकास को मजबूत करने तथा भारत की युवा खेल प्रतिभाओं के लिए एक सक्षम एवं अनुकूल खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के प्रति भारतीय खेल प्राधिकरण की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

क्षत्रिय कल्याण परिषद ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, तीन सूत्रीय मांगों को लेकर नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

(जीएनएस)।

लखनऊ। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद, लखनऊ के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में आज सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने नगर मजिस्ट्रेट लखनऊ के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने से पूर्व परिषद के पदाधिकारियों और सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने एक सभा का आयोजन किया। सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी का

विरोध करना नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त विषमताओं को समाप्त कर समानता और न्याय स्थापित करना है। सभी प्रतिनिधियों के विचारों में एकरूपता दिखाई दी। ज्ञापन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष लल्लन सिंह, शहर अध्यक्ष महिला सीमा सिंह, मीना सिंह, अनिरुद्ध शर्मा, पी.के. श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव पी.के. सिंह, प्रदेश महासचिव महिला रेखा सिंह, गीता सिंह, विनीता मिश्रा, पंकज सिंह, सुनील सिंह, जितेंद्र सिंह सहित राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में रणजीत सिंह, उग्रसेन सिंह, रमेश सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक हफ्ते के अन्दर सकुशल बरामद हुए दो नाबालिग, मोहनलालगंज पुलिस ने पंजाब से किया बरामद

(जीएनएस)।

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने डॉन बॉस्को आश्रयालय से लापता हुए दो नाबालिग लड़कों को महज एक हफ्ते के अन्दर सकुशल बरामद कर लिया। दोनों नाबालिग बच्चे पंजाब के साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) जिले में अपनी बुआ के घर पर मिले पुलिस के मुताबिक, 18 अगस्त 2026 को 14 और 13 वर्ष के दो नाबालिग लड़के डॉन बॉस्को आश्रयालय से बिना बताए चले गए थे। काफी खोजबीन के बाद आश्रयालय के डायरेक्टर की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मोहनलालगंज थाने में मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह ने दो पुलिस टीमों का गठन किया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के आधार पर दोनों नाबालिगों की तलाश शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस टीम को दोनों नाबालिगों के पंजाब में होने की जानकारी मिली। इसके बाद मोहनलालगंज पुलिस टीम पंजाब के थाना सिटी खरड़ क्षेत्र पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों नाबालिगों को उनकी बुआ के घर से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस की पूछताछ में दोनों नाबालिगों ने बताया कि उन्हें डॉन बॉस्को आश्रयालय में अच्छा नहीं लगता था। इसी वजह से दोनों 18 अगस्त की रात मौका देखकर आश्रयालय से निकल गए थे और पंजाब में अपनी बुआ के घर पहुंच गए पुलिस ने दोनों नाबालिगों को सकुशल बरामद कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में मोहनलालगंज पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, शरीर पर मिले नीले निशान

(जीएनएस)।

पीलीभीत, बीसलपुर। नगर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद में शनिवार सुबह 42 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव के शरीर पर नीले रंग के निशान मिलने से परिजनों ने मौत को लेकर संदेह जताया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी धर्मपाल यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई रामवीर को उनकी पत्नी रिंकी 27 अगस्त को अपने मायके गणेशपुर गोटिया, थाना पीलीभीत ले गई थीं। शनिवार सुबह करीब 10:35 बजे रिंकी अपने पति रामवीर का शव लेकर बीसलपुर स्थित घर पहुंचीं। परिजनों ने शव को देखा तो शरीर पर

नीले रंग के निशान दिखाई दिए।

वहीं, मृतक की पत्नी रिंकी ने बताया कि रामवीर को इंफेक्शन की समस्या थी। इसके इलाज के लिए वह उन्हें 27 अगस्त को पीलीभीत स्थित ज्ञान प्रकाश हॉस्पिटल ले गई थीं। उनके अनुसार शनिवार तड़के करीब पांच बजे इलाज के दौरान अस्पताल में रामवीर की मौत हो गई, जिसके बाद वह शव को बीसलपुर लेकर आईं।

मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य है।

विमला जन कल्याण शिक्षण संस्थान कंप्यूटर सेंटर, छतौना सरायममरेज हंडिया प्रयागराज, द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

(जीएनएस)।

प्रतापपुर, हंडिया प्रयागराज। VJKSS विमला जन कल्याण शिक्षण संस्थान कंप्यूटर सेंटर, छतौना सरायममरेज हंडिया प्रयागराज, कबड्डी प्रतियोगिता करवाया गया। जिसमें कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के निशुल्क शिक्षा प्रदान हेतु कार्यक्रम में बच्चो ने, 29 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस रुप में मनाया गया, जिसमें उपस्थित छतौना ग्राम सभा प्रतापपुर के संस्था के संचालक अरुण कुमार और अध्यापक अजीत सर,विशाल सर ,कमलेश सर, मुस्कान मैम, उपस्थित, अन्य लोग बच्चों की भविष्य देखते हुऐ कहा उन्होंने बच्चो को हमारे यहां (उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन) निशुल्क प्रशिक्षण केंद्र के तहत सभी बच्चों को फ्री में शिक्षा और रोजगार दिलाने का कार्य किया जाता है ।विमला जन कल्याण शिक्षण संस्थान सोसाइटी के (सचिव) अरुण कुमार के द्वारा इंस्टीट्यूट पर सभी बच्चों को कबड्डी प्रतियोगिता में सभी बच्चों को मेडल से सम्मानित किया जायेगा । यह प्रतापपुर ब्लॉक ग्राम छतौना, सरायममरेज प्रयागराज में फ्री प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन चलाकर बच्चों को फ्री में शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा है और हमेशा संस्था के संचालक अरुण कुमार शिक्षा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए बच्चों के साथ खड़े रहने एवं उनके मनोबल को भी बढ़ावा देने का कार्य किया है जो भी सुविधा होगी मेरे तरफ से पूर्ण किया जाएगा।

बरखेड़ा पुलिस ने दो शातिर चोरों को दबोचा, दो बाइक समेत चोरी का माल बरामद

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बरखेड़ा थाना पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, नकदी तथा सोना-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। आरोपियों द्वारा पुलिस से बचने के लिए मोटरसाइकिलों की असली नंबर प्लेट हटाकर फर्जी नंबर प्लेट लगाने का भी खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 29 अगस्त की रात थाना बरखेड़ा पुलिस टीम गश्त एवं चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम भैंसला ग्वालापुर के निकट पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान लंगाराम उर्फ बनवारी पुत्र छोटे लाल निवासी ग्राम जमुनिया खास, थाना माधोटांडा तथा अजय सक्सेना पुत्र छेदालाल निवासी ग्राम जमुनिया खास, थाना माधोटांडा के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल, एक वीवो मोबाइल फोन, 7,700 रुपये नकद, सोने की नाक की नथ व अंगूठी तथा चांदी के कड़े, पायल, कमरबंद की चैन और बच्चे का चांदी का कड़ा बरामद किया। इसके अलावा पांच फर्जी/कूटरचित रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट भी बरामद हुईं।

पुलिस जांच में सामने आया कि 27 जुलाई को ग्राम रम्पुरा नत्थू निवासी परशुराम की मोटरसाइकिल संख्या यूपी 26 ए एन 8180 चोरी हुई थी। इस संबंध में थाना बरखेड़ा में मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं 13 अगस्त को ग्राम भैसाई पर्वतपुर निवासी बाबी सिंह के घर के निकट से मोटरसाइकिल संख्या यूपी 26 जेए 3150 तथा भगवान दास के घर से आभूषण और नकदी चोरी होने की घटना सामने आई थी। दोनों मामलों में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए दोनों मोटरसाइकिलों की वास्तविक नंबर प्लेट निकालकर जंगल में फेंकने तथा उनकी जगह अलग-अलग फर्जी नंबर प्लेट लगाने की बात सामने आई। पुलिस के मुताबिक, मामले में आरोपियों के एक अन्य साथी संजीव कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम जमुनिया खास, थाना माधोटांडा की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ बरखेड़ा थाने में दर्ज संबंधित मुकदमों में बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं बढ़ाई गई हैं। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी लंगाराम उर्फ बनवारी का पूर्व में भी कई मुकदमों का आपराधिक इतिहास रहा है।

पुलिस टीमः गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक महेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक धीर सिंह, उपनिरीक्षक नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल मनुेश कुमार, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अली, हेड कांस्टेबल शमशुद्दीन तथा कांस्टेबल विजय कुमार शामिल रहे।

गौसगंज में जलभराव से बेहाल लोग, कछौना मार्ग बना तालाब

(जीएनएस)।

हरदोई/गौसगंज। बारिश के बाद गौसगंज-कछौना मार्ग पर जलभराव की समस्या ने राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मुख्य मार्ग पर भारी मात्रा में पानी जमा हो गया है, जिससे सड़क तालाब में तब्दील नजर आ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त नाला या नाली की व्यवस्था नहीं है। पानी सड़क पर जमा रहने से पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना

पड़ रहा है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी जलभराव के बीच से गुजरना जोखिम भरा बना हुआ है।

सबसे गंभीर स्थिति मुख्य मार्ग पर गंदे जल भराव की समस्या स्थानीय लोगों द्वारा ग्राम प्रधान के घर के सामने बताई जा रही है, जहां बारिश का पानी सड़क पर जमा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब गांव के प्रमुख मार्ग पर ही जल निकासी की व्यवस्था बदहाल है, तो ग्राम सभा के अन्य हिस्सों में साफ-सफाई और जल निकासी की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

लोगों के मुताबिक, उचित नाला या नाली की व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यही समस्या दोहराई जाती है। लगातार जलभराव से सड़क क्षतिग्रस्त होने के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बढ़ सकता है।

मुख्य मार्ग पर बने जलभराव ने जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर सड़क से पानी की निकासी कराने तथा भविष्य में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।